री-एडमिशन फीस. स्कूलों की मनमानी के खिलाफ लोगों को मिला पार्टियों का साथ

देवघर में सड़क पर उतरे अभिभावक

- राज्यपाल के नाम सौंपा पांच सूत्री ज्ञापन, डीसी ने दिया आश्वासन
- एक घंटे तक रहा टावर चौक जाम
- नारेबाजी करते हुए रैली की शक्ल में समाहरणालय पहुंचे आक्रोशित अभिभावक
- डीसी के निर्देश पर डीइओ-डीएसइ करेंगे आठ बिंदुओं पर जांच
- डिप्टी मेयर ने दिया आंदोलन को नैतिक समर्थन

संवाददाता, देवघर

देवघर में री-एडमिशन फीस व शुल्क वृद्धि के खिलाफ नारेबाजी करते अभिभावक और अन्य लोग समाहरणालय पहुंचे.

प्राइवेट स्कूलों में री-एडमिशन एवं शुल्क वृद्धि के खिलाफ अभिभावकों का गुस्सा बढ़ता जा रहा है. शनिवार को आक्रोशित अभिभावक तथा आजसू पार्टी के कार्यकर्ता सड़क पर उतर आये. उन्होंने टावर चौक के पास सड़क जाम कर प्राइवेट स्कूल प्रबंधन के मनमाना रवैये व प्रशासनिक विफलताओं के विरोध में नारेबाजी की. टावर चौक पर धरना-प्रदर्शन के बाद रैली की शक्ल में अभिभावक व पार्टी कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए समाहरणालय पहुंचे. समाहरणालय में प्रतिनिधि मंडल ने री एडमिशन, शुल्क वृद्धि आदि का विरोध करते हुए राज्यपाल के नाम उपायुक्त को पांच सूत्री मांगों का ज्ञापन सौंपा. उपायुक्त ने भरोसा दिलाया कि सचिव के स्तर से प्राप्त आठ बिंदुओं की जांच का निर्देश मिला है. तीन दिनों के अंदर डीइओ-डीएसइ से बिंदुवार जांच करायेंगे. प्राइवेट स्कूल प्रबंधन को नोटिस भेजेंगे. स्कूलों में राइट टू एजुकेशन एक्ट का अनुपालन कराया जायेगा. जहां कहीं भी एक्ट का उल्लंघन होगा, उस संस्थान की मान्यता समाप्त करने के लिए सरकार को पत्र लिखा जायेगा. शुल्क वृद्धि के लिए प्रत्येक प्राइवेट स्कूलों में पैरेंट्स सोसाइटी का गठन करना होगा. इसमें स्कूल प्रबंधन के सदस्यों के अलावा अभिभावकों के प्रतिनिधि भी सम्मिलित होंगे. पैरेंट्स सोसाइटी ही शुल्क वृद्धि का निर्णय लेंगे. किसी भी सूरत में 15 फीसदी से ज्यादा शुल्क वृद्धि नहीं की जायेगी.

इधर, अभिभावकों के आंदोलन को समर्थन देने के लिए देवघर नगर निगम के डिप्टी मेयर संजयानंद झा टावर चौक पहुंचे. रैली में अभिभावकों के साथ-साथ समाहरणालय पहुंच कर प्रतिनिधि मंडल के साथ उपायुक्त से भी बात की. इससे पहले आजसू पार्टी के नगर सचिव ध्रुव प्रसाद साह और अभिभावकों ने केकेएन स्टेडियम से हाथों में तख्तियां लेकर रैली की शक्ल में टावर चौक पहुंचे थे. रैली में आजसू पार्टी के नगर सचिव, देवघर नगर निगम के डिप्टी मेयर, मुरारी केसरी, जितेंद्र चौधरी, पप्पू रजक, रवि राउत, सचिन राउत, लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी सुनील गुप्ता, अभिभावक सोनरी सरकार, सत्यम साह सहित दर्जनों अभिभावक सम्मिलित थे.

बिचौलिया प्रथा दूर करना प्राथमिकता : डॉ लुइस मरांडी

अमर शहीद सिदो-कान्हो की जयंती पर भोगनाडीह में आयोजित कार्यक्रम का उदघाटन करती कल्याण मंत्री डॉ लुइस मरांडी व अन्य.

शहीद सिदो कान्हो की जयंती

बरहेट . विकास योजनाओं में हावी बिचौलिया प्रथा को सरकार ने समाप्त करने का संकल्प लिया है. इसके लिए प्रत्येक विभाग पर सरकार की पैनी नजर है और बिचौलिया प्रथा को जड़ से मिटाने के लिए अधिकारियों के साथ-साथ आम जनता को अपनी भागीदारी निभानी होगी. उक्त बातें कल्याण मंत्री डॉ लुइस मरांडी ने अमर शहीद सिदो-कान्हो की जयंती के अवसर पर भोगनाडीह में आयोजित समारोह में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कही.

मंत्री डॉ मरांडी ने कहा कि शिक्षा के अभाव में सरकार द्वारा जारी कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आम लोगों को नहीं मिल पा रही है. इस काम में शुरू से हावी रहे बिचौलिये सबसे आगे हैं.

प्रत्येक विभाग में आदिवासी कर्मचारी की करें नियुक्ति : डॉ लुइस मरांडी ने जिला प्रशासन को अपने संबोधन में निर्देश देते हुए कहा कि आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र के लोग किसी भी सरकारी दफ्तर में पहुंचने से कतराते हैं. इसका सीधा कारण है कि जब वे अपनी समस्या को लेकर पदाधिकारी के समक्ष पहुंचते हैं तो पदाधिकारी उनकी भाषा को नहीं समझ पाने की स्थिति में किसी भी शिकायत पर उचित कार्रवाई नहीं कर पाते हैं. इसका सीधा लाभ ऐसे गरीब लोगों को नहीं मिल कर सरकारी दफ्तरों में जड़ें जमा चुके बिचौलिये उठाते हैं. उन्होंने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि इसी दूरी को पाटने के लिए जिले के सभी दफ्तरों में जिला प्रशासन अपनी ओर से आदिवासी कर्मचारियों की नियुक्ति करें. ताकि पदाधिकारी व आम जनता के बीच भाषा का आदान-प्रदान हो सके और लोगों का काम आसानी से हो.

झामुमो के कारण संताल का विकास हुआ अवरुद्ध : उन्होंने सिदो-कान्हो की वीरता का बखान करते हुए कहा कि अभी भी उनके अधूरे सपने को पूरा करने की आवश्यकता है. झामुमो को आड़े हाथों लिया और कहा संताल परगना का विकास यदि अवरुद्ध है तो इसका बड़ा कारण केवल झारखंड मुक्ति मोर्चा है.

राज्य गठन के बाद भी आदिवासी उपेक्षित

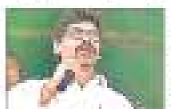
हेमंत सोरेन.

बरहेट. सिदो-कान्हो की जयंती पर भोगनाडीह में शहीदों की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने जन सभा को संबोधित किया. उन्होंने कहा कि गुरुजी के नेतृत्व में संघर्ष करने के बाद झारखंड राज्य का गठन हुआ और 14 वर्ष होने के बाद भी अब तक यहां आदिवासियों की स्थिति तथा राज्य का विकास नहीं हो पाया. इधर केंद्र व राज्य में पूंजीपतियों की सरकार है. ये सरकार झारखंड की खनिज संपदा को ले जाने के लिए पूंजीपतियों के माध्यम से उद्योग लगाने का प्रयास कर रही है. गलत ढंग से भूमि अधिग्रहण बिल पारित कर किसानों का जमीन हड़पने का काम कर रही है. कहा कि आदिवासियों की संस्कृति और जल जमीन और जंगल की सुरक्षा हम आदिवासियों का पहला कर्तव्य है.

माओवादियों ने मुंशी को पीटा, सामान जलाया

पलामू में पुल का काम रोका

प्रतिनिधि, चैनपुर (पलामू)

नक्सली संगठन भाकपा माओवादी ने चैनपुर थाना क्षेत्र के करसो गांव में भवराहा नदी पर पुल निर्माण का कार्य रोक दिया है. शनिवार की सुबह करीब पांच बजे 20-25 की संख्या में माओवादी दस्ता कार्यस्थल पर पहुंचा. संवेदक नहीं मिला, तो नक्सली कार्यस्थल से कुछ दूर पर स्थित संवेदक के कार्यालय में गया. वहां मुंशी केश्वर उरांव की पिटाई कर दी. कार्यालय में रखे बिस्तर व अन्य कागजात को आग के हवाले कर दिया. पुल का काम बंद करने की चेतावनी दी. इस संबंध में रामगढ़ थाने में मामला दर्ज किया गया है. नक्सलियों के खिलाफ पलामू और गढ़वा पुलिस छापामारी कर रही है. क्योंकि यह इलाका पलामू और गढ़वा के सीमा पर स्थित है.

■ करसो में भवराहा नदी पर डेढ़ करोड़ की लागत से पुल का हो रहा निर्माण

''मामले की छानबीन की जा रही है. मामला लेवी से जुड़ा लगता है. दहशत फैलाने के लिए ऐसा किया गया है.
ताला सोरेन, पुलिस निरीक्षक

गांव में ही मुर्गा-भात बनवाया

घटना को अंजाम देने के बाद माओवादी कई घंटे तक गांव में ही रहे. गांव में ही मुर्गा-भात बनवाया. निर्माण कार्य के लिए छरी ले गये ट्रैक्टर चालक को भी चेताया. वहां सामग्री नहीं गिराने दी. सुबह करीब नौ बजे तक माओवादी वहीं रहे. फिर जंगल की तरफ निकल गये. बताया गया कि करसो में भवराहा नदी पर डेढ़ करोड़ की लागत से पुल का निर्माण हो रहा है. जाते वक्त माओवादियों ने ग्रामीणों को कहा कि यदि उनके फरमान का उल्लंघन कर पुल निर्माण कार्य किया, तो अंजाम बुरा होगा. माओवादियों की इस कार्रवाई से गांव में दहशत है.

गुमला में पीएलएफआइ ने बस में लगायी आग

गुमला. सदर थाना से महज कुछ दूरी पर लोहरदगा रोड के समीप मुख्य सड़क के किनारे खड़े मंत्री बस को पीएलएफआइ के उग्रवादियों ने आग लगा दी है. बस के अंदर का सीट जल गया. बाहर का कुछ हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया है. शीशा भी टूट गया है. घटना शनिवार की सुबह चार बजे की है. जानकारी के अनुसार सुबह अचानक बस से आग निकलने लगी. आसपास के लोग जागे और इसकी सूचना बस मालिक को दी. तुरंत आग पर काबू पाया गया. इधर पीएलएफआइ के एरिया कमांडर देवराज ने दूरभाष पर बस में आग लगाने की जिम्मेवारी ली है. कहा कि बस के मालिक से बात करना चाहते हैं, लेकिन वह बात नहीं कर रहा है. इसलिए आग लगा दी.

माहवारी संबंधित समस्याओं से बढ़ रहा है बांझपन

रजनीश आनंद

प्रकृति ने औरत को सृजन की शक्ति से नवाजा है, इसलिए उसमें यह क्षमता है कि वह अपने कोख में एक बच्चे को नौ माह तक रखती है और एक नयी संतति को जन्म देती है. औरत की इसी सृजन शक्ति का हिस्सा है माहवारी. झारखंड एक ऐसा राज्य है, जहां माहवारी से संबंधित कई तरह की बीमारियां और समस्याएं महिलाओं और किशोरियों को है, लेकिन भ्रांतियों की जाल में फंसी महिलाएं उसकी चर्चा किसी से नहीं करती है. परिणाम यह हो रहा है कि बांझपन, अनियमित माहवारी, अत्यधिक स्राव और एनीमिया जैसी बीमारियां महिलाओं को अपनी गिरफ्त में ले रही है.

वर्ष 2007-08 में झारखंड की महिलाओं पर एक जिला स्तरीय स्वास्थ्य सर्वेक्षण का आयोजन किया गया था, जिसमें यह बात सामने आयी थी कि झारखंड की हर चौथी महिला माहवारी संबंधित बीमारियों से पीड़ित है यानी कि सौ में 26.2 महिला को माहवारी संबंधित बीमारी है.

इस सर्वे में इस बात का खुलासा भी हुआ था कि 89 प्रतिशत अविवाहित महिलाएं पीड़ादायक माहवारी की शिकार हैं, जबकि 13.8 प्रतिशत अनियमित माहवारी, 8.5 प्रतिशत महिलाओं को लंबे समय तक माहवारी होती है, 8.1 प्रतिशत अत्यधिक स्राव और 6.9 प्रतिशत महिलाओं को माहवारी काफी कम होती है. इस सर्वे में इस बात का खुलासा भी हुआ था कि 90 प्रतिशत अविवाहित महिलाएं माहवारी के दौरान कपड़े का इस्तेमाल करती है, जबकि 13 प्रतिशत सेनेटरी नैपकिन और आठ प्रतिशत स्थानीय स्तर पर तैयार किये गये नैपकिन का प्रयोग करती है.

जहां तक बात विवाहित महिलाओं की है, तो 15-49 वर्ष की 21 प्रतिशत महिलाएं माहवारी से संबंधित एक या उससे अधिक समस्याओं से पीड़ित हैं. पीड़ादायक माहवारी की शिकार महिलाओं की संख्या 74.2 प्रतिशत है. अनियमित माहवारी 19 प्रतिशत, कम स्राव 16.3 प्रतिशत, अत्यधिक स्राव 11.3 प्रतिशत, दीर्घकालीन स्राव आठ प्रतिशत और माहवारी नहीं होने की समस्या 7.4 प्रतिशत महिलाओं में देखी गयी थी. झारखंड में जिन 21 प्रतिशत महिलाओं को माहवारी संबंधित समस्याएं है, उनमें से 30 प्रतिशत महिलाएं लातेहार, चतरा और हजारीबाग से हैं. यहां कि हर दस में से एक महिला बांझपन की शिकार है, इनमें प्राथमिक और द्वितीय स्तर का बांझपन शामिल है. चतरा में बांझपन की समस्या सर्वाधिक है, जबकि पश्चिम सिंहभूम जिले में यह सबसे कम 5.7 प्रतिशत है.

यह तो बात हुई आंकड़ों की. लेकिन जमीनी हकीकत भी इससे कोई अलग नहीं है. भले ही यह आंकड़े पांच-छह साल पुराने हैं, लेकिन स्थिति में किसी तरह का बदलाव दृष्टिगोचर नहीं होता है. पश्चिम सिंहभूम जिले के ग्रामीण इलाकों में आज भी महिलाएं सेनेटरी नैपकिन से परिचित नहीं हैं, अगर यह कहा जाये कि सौ फीसदी महिलाएं अभी भी कपड़े का ही इस्तेमाल करती हैं, तो गलत नहीं होगा. अनियमित माहवारी, अत्यधिक स्राव, दीर्घकालीन स्राव को वे बीमारी नहीं बल्कि अपनी नियति मान बैठी हैं. महिलाओं को छोड़ दें, तो किशोरियां भी सेनेटरी नैपकिन से अनभिज्ञ हैं, हां इसमें कोई दो राय नहीं है कि शहरी इलाकों में जागरूकता है और लोग सेनेटरी नैपकिन का प्रयोग कर रहे हैं. स्कूलों में भी सेनेटरी नैपकिन कभी-कभी मुफ्त वितरित किया जाता है, बावजूद इसके नैपकिन का इस्तेमाल नहीं बढ़ पाया है. अद्यतन आंकड़े तो उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन यह कहने में कोई गुरेज नहीं है कि स्थितियां जस की तस हैं, बदलाव की परिस्थितियां अभी दूर-दूर तक नजर नहीं आ रही हैं.

(यह आलेख अर्डरफ्लाइज, इक्वलिव मीडिया फुल्लबीती फेलोशिप के तहत प्रकाशित है)

सर्व शिक्षा अभियान गुमला

शिक्षा का अधिकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

''विद्यालय चलें-चलाएं अभियान 2015'' के सफल संचालन हेतु जिले के सभी प्रधानाध्यापकों/सहायक शिक्षकों/पारा शिक्षकों/विद्यालय प्रबंध समिति/ग्राम शिक्षा समिति एवं माता समिति के निमित अत्यावश्यक सूचना

राज्य परियोजना निदेशक, झारखण्ड शिक्षा परियोजना परिषद रांची के पत्रांक 682 दिनांक 31.03.2015 के द्वारा विद्यालय में बच्चों का नामांकन करने एवं उनका ठहराव बनाये रखने हेतु अप्रैल माह में व्यापक रूप से 'विद्यालय चलें – चलाएं अभियान 2015'' का आयोजन किया जा रहा है। इस निमित्त निम्न प्रपत्र गतिविधि कराना सुनिश्चित करेंगे :-

1. विद्यालय स्तर में उक्त अभियान के पूर्व सभी प्रधानाध्यापक एवं सहायक शिक्षकों को विद्यालय के चिन्हित पोषक क्षेत्र गांव, टोला का बाल पंजी का अद्यतनीकरण (दिनांक 10 से 16 अप्रैल 15 तक) अत्यावश्यक है। विद्यालय के प्र0अ0 अपने सभी सहायक शिक्षकों को गांव/टोला का उत्तरदायित्व सौंपते हुए बाल पंजी तैयार कर शत प्रतिशत नामांकन कराना सुनिश्चित करेंगे। गांव/टोलावार संकलित प्रतिवेदन तैयार कर प्रखण्ड संसाधन कार्यालय में जमा करेंगे।
2. इस अभियान के माध्यम से स्थानीय प्राधिकार, विद्यालय प्रबंध/ग्राम शिक्षा समिति, सभी अभिभावकों को पूर्ण रूप से जागरूक करने एवं जिम्मेवार बनाते हुए बच्चों का विद्यालय में शत प्रतिशत नामांकन एवं ठहराव सुनिश्चित करना।
3. 03-06 आयुवर्ग के बच्चों का निकटतम आंगनबाड़ी केन्द्र में नामांकन सुनिश्चित करना।
4. सामुदायिक जागरूकता लाने हेतु दिनांक 10 से 16 अप्रैल तक प्रतिदिन विद्यालय के पोषक क्षेत्र में प्रभात फेरी का आयोजन करेंगे।
5. इस अभियान के अन्तर्गत छात्राओं के लिए "पहले पढ़ाई फिर विदाई", "स्वच्छ भारत अभियान" के तहत् शौचालय (पेयजल सहित) सुविधा हेतु समुदाय में जागरूकता लाना।
6. प्रखण्ड स्तरीय एवं विद्यालय स्तरीय निम्न कार्यक्रम में अभियान से संबंधित रणनीति तैयार की जायेगी एवं उनका क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जायेगा।

क. सं.	गतिविधि	दिनांक	संबंधित प्रतिभागी	रणनीति एवं क्रियान्वयन
1	प्रखण्ड स्तरीय कार्यशाला	14.04.2015	प्रखण्ड विकास पदाधिकारी की अध्यक्षता में जन प्रतिनिधि, सभी पंचायती राज्य के प्रतिनिधि, प्रखण्ड स्तरीय सभी पदाधिकारी, सभी विद्यालय प्रबंधन समिति एवं ग्राम शिक्षा समिति के अध्यक्ष, सभी प्रधानाध्यापक/प्रभारी प्र0अ0, प्रखण्ड स्तरीय साक्षरता कर्मी	संकुलवार/विद्यालयवार बाहर रहने वाले बच्चों की सूची, शौचालय एवं पेयजल विहीन विद्यालयों की सूची तैयार करना। बच्चों के गुणवत्त शिक्षा उपलब्ध कराने एवं संचालित सभी कार्यक्रम का क्रियान्वयन।
2	विद्यालय स्तरीय कार्यशाला	16.04.2015	विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष की अध्यक्षता में जन प्रतिनिधि, विद्यालय प्रबंध/ग्राम शिक्षा समिति के सभी सदस्य, सभी अभिभावक/माता समिति, स्वयं सहायता समूह, सी0आर0पी0, बाल संसद, साक्षरता कर्मी, स्वयं सहायता समूह, समाज सेवी, गैर सरकारी संस्था एवं सभी सहायक शिक्षक	1. बाल पंजी का गांव/टोलावार अद्यतन करना। 2. विद्यालय से बाहर रहने वाले बच्चों को चिन्हित करना एवं उनके माता पिता से मिलकर नामांकन हेतु प्रोत्साहित करना। 3. विद्यालय में बच्चों के ठहराव हेतु प्रयास कार्यक्रम एवं गुणवत्ता शिक्षा को सुनिश्चित करना।

7. दिनांक 17.04.2015 को अभियान को सफल बनाने हेतु प्रत्येक विद्यालय में बाल संसद एवं सभी छात्र/छात्राओं की बैठक का आयोजन करना सुनिश्चित करेंगे।
8. दिनांक 18.04.2015 को प्रत्येक विद्यालय स्तर पर पोषक क्षेत्र में प्रभात फेरी का आयोजन एवं अनामांकित बच्चों के अभिभावकों से सम्पर्क करना।
9. दिनांक 20.04.2015 को विद्यालय के पोषक क्षेत्र के अनामांकित या छीजित बच्चों के घरों तक सभी जनप्रतिनिधि, विद्यालय प्रबंध/ग्राम शिक्षा समिति, माता समिति एवं शिक्षकगण एवं बाल संसद के द्वारा Door To Door Visit किया जायेगा एवं बच्चों के माता पिता को विद्यालय में नामांकन हेतु पत्र लिखते हुए प्रोत्साहित एवं आमंत्रित करेंगे।
10. दिनांक 21.04.2015 को सभी अनामांकित बच्चों को आमंत्रित करते हुए विद्यालय में विशेष भोजन का आयोजन करेंगे।
11. दिनांक 22.04.2015 को विद्यालय परिसर एवं पोषक क्षेत्र का साफ-सफाई कार्यक्रम जनसहभागिता के माध्यम से करेंगे।
12. दिनांक 23.04.2015 को विद्यालय स्तर पर गठित दल द्वारा अनामांकित बच्चों के चिन्हिकरण के लिए पोषक क्षेत्र का भ्रमण करना सुनिश्चित करेंगे।
13. दिनांक 24.04.2015 एवं 25.04.2015 को सभी विद्यालय से बाहर रह रहे अनामांकित एवं छीजित बच्चों का विद्यालय में नामांकन का कार्य करेंगे एवं प्रतिदिन नवनामांकित बच्चों का प्रातःकालीन विद्यालय प्रार्थना में स्वागत करेंगे।
14. दिनांक 27.04.2015 को विद्यालय एवं प्रखण्ड स्तर पर कार्यशाला का आयोजन करते हुए स्वच्छ भारत अभियान, शिक्षा का अधिकार अधिनियम, "पहले पढ़ाई फिर विदाई" पर विस्तृत जानकारी उपलब्ध करायेंगे। साथ ही विद्यालय स्तर पर महिलाओं के प्रति व्याप्त कुरीतियों को उजागर करने संबंधी नृत्य नाटिका, वाद-विवाद, चित्रांकन का आयोजन सुनिश्चित करेंगे। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के द्वारा "पहले पढ़ाई फिर विदाई" के उद्देश्य को समुदाय को अवगत कराया जाएगा।
15. दिनांक 30.04.2015 को शत प्रतिशत नामांकन की घोषणा एवं विद्यालय नियमित रूप से आने हेतु सभी छात्र/छात्राओं एवं अभिभावकों के शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन करेंगे।
16. द्वितीय चरण (मई 2015) में जिला के सभी विद्यालयों में सभी बच्चों के नियमित उपस्थिति एवं ठहराव हेतु प्रयास कार्यक्रम का क्रियान्वयन सुनिश्चित करेंगे।

ह./- उपायुक्त,
गुमला

ज्ञापांक : 310, गुमला, दिनांक : 09.04.15

झारखण्ड सरकार
परिवहन आयुक्त कार्यालय
एफ.एफ.पी. भवन, एच.ई.सी. कैम्पस, धुर्वा, रांची
॥ सूचना ॥

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि परिवहन विभाग के ज्ञापांक–206 दिनांक–20.02.2015 द्वारा प्रकशित सूचना के आलोक में समय सारणी के विरुद्ध आपत्ति दाखिल करने की तिथि दिनांक–10.04.2015 से बढ़ाकर 15.04.2015 तक की जाती है। अध्यक्ष, राज्य परिवहन प्राधिकार, झारखण्ड, राँची के आदेश से।

ह./– संयुक्त परिवहन आयुक्त,
झारखण्ड, रांची

PR 123972(Transport)15-16

झारखण्ड सरकार
परिवहन आयुक्त कार्यालय
एफ0एफ0पी0 भवन, एच0ई0सी0कैम्पस, धुर्वा, रांची
सूचना

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि दिनांक–15.04.2015 को होने वाले राज्य परिवहन प्राधिकार, झारखण्ड की बैठक अपरिहार्य कारणों से अगले आदेश तक के लिए स्थगित की जाती है।
अध्यक्ष, राज्य परिवहन प्राधिकार, झारखण्ड, राँची के आदेश से।

ह0/– संयुक्त परिवहन आयुक्त,
झारखण्ड, रांची

PR 123971(Transport) 15-16

झारखंड सरकार
नगर परिषद, दुमका।
ई-प्रोक्योरमेन्ट सूचना

अल्पकालीन निविदा सूचना सं0 DMK/34/14-15 (2nd call) — दिनांक. 11.04.15

1	कार्य का नाम : दुमका नगर परिषद क्षेत्रांतर्गत 125 एम0एम0 /115 एम0एम0 x 70 मी0 गहरे ड्रिल्ड नलकूप I M II / III के साथ पूर्नस्थापन कार्य, प्लेटफार्म एवं नाली का निर्माण सहित टर्न की आधार पर (वर्ष 2014–15)					
2	Gr No.	No. of Drilled Hand pump	Estimated cost	Ernest Money	Cost of BOQ	Time of Completion
3	DNP-I	30	1867500.00	38000.00	5000.00	1 month
4	DNP-II	31	1929750.00	39000.00	5000.00	1 month
5	Last Date/ Time & Place for receipt of bid document (cost of BOQ & EMD)					18.04.2015 at 3.00 P.M. Nagar Parishad, Dumka
6	Date/ Time of publication of tender on Web Site					12.04.2015 at 3.00 P.M.
7	Date/ Time of Bid Opening					20.03.2015 at 3.00 P.M.
8	Name & address of officer of Inviting Tender					Executive Officer, Nagar Parishad, Dumka
9	Contract No. of Procurment Officer					+91-9430133147
10	Help line number of e-procurement cell					+91-9934036058

Note – Only e-tender will be accepted.
Further details can be seen on website - http://jharkhandtenders.gov.in

Sd/- Executive Officer,
Nagar Parishad, Dumka

ज्ञापांक 585/डी.एन.पी. दुमका दिनांक 11.04.15

झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद
सर्व शिक्षा अभियान, गढ़वा, विकास भवन-श्री पहला तल्ला
Email-ID-jepcgarhwa@rediffmail.com, Phone & Fax No. : 06561-222839

शिक्षा का अधिकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

आमंत्रण

मान्यवर,
आज के बच्चे कल के भविष्य है, समग्र विकास एवं परिवर्तन की जननी शिक्षा है. शिक्षा का प्रचार-प्रसार, नामांकन, ठहराव एवं गुणवत्ता शिक्षा बच्चों को उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है. बच्चों के शारीरिक, मानसिक तथा चारित्रिक विकास के लिए सदैव सजग एवं अग्रसर रहेंगे इन उद्देश्यों की पूर्ति हेतु **''विद्यालय चलें-चलाएं अभियान, 2015''** का शुभारंभ गढ़वा जिला में दिनांक 12.04.2015 दिन रविवार को पूर्वाह्न 11.00 बजे नीलाम्बर पीताम्बर नगर भवन, गढ़वा (टाउन हॉल) में निर्धारित है.
उक्त समारोह के अवसर पर आपकी गरिमामयी उपस्थिति प्रार्थनीय है.

निवेदक
उपायुक्त -सह- अध्यक्ष
सर्व शिक्षा अभियान, गढ़वा

पत्रांक : 4/?/गढ़वा, दिनांक : 11.4.15